

शुक्रवार, 7 अप्रैल, 2023 3

हनुमान जयंती पर नगर में निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

सुरक्षा का रहा पुरख्ता इंतजाम

हरियाणा के राज्यपाल ने पूजा-अर्चना कर किया जुलूस का शुभारंभ

विधायक राजा सिंह को हिरासत में लिया गया

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमान जयंती शोभा यात्रा जुलूस गुरुवार को गौलीगड़ा में श्री राम मंदिर से एक उत्सव के रूप में शुरू हुआ। जुलूस का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पूजा-अर्चना किया। इसमें भाजपा नेता इटेला रंजेंट, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के डॉ. भगवंत राव, करोड़ीमल अग्रवाल, गोविंद राठी के अलावा कई हिंदू नेता शामिल हुए। उन्हाँने दो आपे बनवे दी में बर्वे ने जुलूस का नेतृत्व किया। शोभायात्रा में घोड़ों और ऊटों पर सवार बच्चे भी शामिल हुए। रास्ते में कई सहायक जुलूस मुख्य जुलूस में शामिल हुए। लगभग 2.30 बजे, शहर के विभिन्न हिस्सों में गमियों की बौछारें देवी गईं, कुछ स्थानों पर जुलूस की प्रगति पर कुछ समय के लिए प्रभाव पड़ा। बाटू में नगर में ओले के साथ हुई भयंकर बारिश ने भी भक्तों के उत्साह को कर करनहीं कर सका। भारी संख्या में भक्तगण हाथ में बांदर व तलवा पर ‘ज्ञान धीरा’ ता-

A collage of three photographs documenting a religious and political event. The top-left image captures a group of men in traditional Indian attire, including orange shawls and turbans, gathered around a shrine or deity. The top-right image shows a group of men in orange shawls and turbans standing in front of a banner featuring portraits of political figures. The bottom image is a wide shot of a street filled with people on motorcycles and on foot, all holding orange flags, participating in a large-scale rally or procession.

हैदराबाद, 6 अप्रैल (एजेंसिया)। भाजपा से निलंबित विधायक टी. राजा सिंह को हैदराबाद में पुलिस ने उस समय एहतियातन हिरासत में ले लिया, जब वह हनुमान जयंती की रैली में भाग लेने जा रहे थे। मंगलहाट पुलिस ने गोशामहल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राजा सिंह को गिरफ्तार किया और उन्हें बोलारम पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया विवादित विधायक ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वह दो साल दूरपाल

गिरफ्तार किया गया है। राजा सिंह ने दमनकारी कार्रवाइयों के लिए केसीआर सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में 8वें निजाम का शासन है।

2 अप्रैल को हैदराबाद में रामनवमी के जुलूस के दौरान उनके भड़काऊ भाषण को देखते हुए पुलिस ने उन्हें हतियातन हिरासत में ले लिया था। अफजलगंज पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया था। हाल के महीनों में तेलंगाना और पड़ोसी महाराष्ट्र दोनों में राजा सिंह के विवाद बढ़ाया जा रहा है।

हैदराबाद में ओलावृष्टि के साथ भारी बारिश, गर्मी से मिली थोड़ी राहत

अरण्य भवन में कन अधिकारी संघों ने की बैठक



हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बारिश के देवता ने हैदराबाद को गुरुवार दोपहर बारिश से सरावार कर दिया। पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी से तप रहे शहर को बादलों की गर्जना और मूसलाधार बारिश से काफी राहत मिली। रिपोर्टों के अनुसार, शहर के कई हिस्सों में गरज के साथ बौछारें पड़ीं। सिकंदराबादक्षेत्र में ओलावृष्टि विशेष रूप से तीव्र थी। अन्य इलाकों जैसे राजेंद्रनगर, यूसुफगुडा, जुबली हिल्स, सेरालिंगमपल्ली, मुशीराबाद, खैरताबाद, बैगमपेट, कारवां और मेहदीपुरनम में भी कुछ तेज बारिश देखी गई। हैदराबाद में शक्रवार तक बारिश जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निवासियों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी।

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र
वार्ता)। सरकार ने ड्युटी के दौरान
असामाजिक तत्वों के हमले में
बनकर्मियों की मौत होने पर अनुग्रह
राशि देने की घोषणा की है।
तेलंगाना सरकार ने पहली बार
नीतिगत निर्णय की घोषणा की।
वन विभाग के अधिकारियों ने
खुशी व्यक्त की तथा मुख्यमंत्री
केसीआर को धन्यवाद दिया।
तेलंगाना स्टेट फॉरेस्ट ऑफिसर्स
एसोसिएशन के महासचिव राजा
रमना रेड्डी ने कहा कि देश में
असामाजिक तत्वों और अन्य
आतंकवादियों के हमलों में शहीद
हुए वन विभाग के अधिकारियों को
सरकार ने जीवनदान दिया है। इससे
वन अधिकारियों का मनोबल बढ़ा
है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई
अनुग्रह राशि कहीं नहीं है। इस
तरह का जीवन देने के लिए सीएम
केसीआर और मंत्री इंट्रकरण रेड्डी
का विशेष धन्यवाद के पात्र है।
इससे वन विभाग के अधिकारियों
का मनोबल बढ़ा जाएगा। आपे आपे

ड्यूटी के दौरान मौत पर अनुग्रह राशि की घोषणा पर¹ सीएम व मंत्री का आभार जताया



बीबीनगर में एम्स से
तेलंगाना को होगा
फायदा : प्रधानमंत्री

हैदराबाद का आधिकारिक तौर पर भाग्यनगर नाम रखा जाए : शांडिल्य
हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा का शांडिल्य ने किया शुभारंभ

बॉक्सिंग चैपियन निखत
जरीन को सीएस व डीजीपी
ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि बीबीनगर में एम्स में बुनियादी ढांचे में वृद्धि से तेलंगाना को लाभ होगा और स्वस्थ भारत बनाने के चल रहे प्रयासों को गति मिलेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने एक द्वीट में जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अप्रैल को एम्स बीबीनगर में नई अत्याधिकिन सुविधाओं की आधारशिला रखेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के द्वीट के जवाब में, प्रधानमंत्री ने कहा कि बीबीनगर में एम्स में बुनियादी ढांचे में वृद्धि से तेलंगाना को लाभ होगा और स्वस्थ भारत बनाने के हमारे चल रहे प्रयासों को गति मिलेगी।

A large crowd of people in orange and yellow attire, many holding Indian flags, participating in a rally or protest.

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की तारीफ की और मोदी व शाह को भी भारत में सक्षात् संकटमोचक व देश के लिए अवतार संज्ञा बताया और कहा कि शाह ने 370 खत्म कर पाकिस्तान को खत्म किया और एक देश एक झंडे का कानून बनाया। श्री शांडिल्य ने तेलंगाना में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से हैदराबाद का नाम भाग्य नगर आधिकारिक तौर पर रखने की मांग की।

इस अवसर पर प्रतिभा तिवारी, विक्रम तिवारी, राजेश अग्रवाल, किशन अग्रवाल, सीताराम जांगड़, डॉ. किरण, संजू कुमार, श्रीकिशन शर्मा, बजरंग मित्तल, विनोद पोदार, लड्ढ यादव, शशिकांत अग्रवाल, विनय कुमार, बलबीर सिंह, बाबू राव, विनीत पारिक, विष्णु अग्रवाल, जयेश शर्मा व संतोष कुमार सहित

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक आयोजित

भाकपा पीएम के हैदराबाद टौरें का लिंगेश्वर कर्मी

थे। हाल ही में, निखत झरीन ने विश्व चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण जीतने वाली मैरी कॉम के बाद पहली भारतीय मुकेबाज़ बनने का इतिहास रचा है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह केवल दूसरी भारतीय महिला हैं।



हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्रता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट ने कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष में अग्रवाल की अध्यक्षता में अग्रसेन गार्डन, सिकंदराबाद में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति आरा मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल जानकारी देते हुए बताया कि बैठक अग्रसेन गार्डन जो पिछले 6 वर्ष तक लीज पर दिया गया था उसका

हैदराबाद, 6 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलगुना राज्य सीपीआई इकाई ने विभाजन के समय तेलंगाना के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में उनकी विफलता के लिए 8 अप्रैल को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की शहर की यात्रा के दौरान एक विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। गुरुवार त्ते आर्या वार्ता तक तैयार हैं।

बड़े दलों संग छोटे दल तैयार करेंगे 2024 का चक्रव्यूह?

कौन किसके साथ रहेगा?

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव-2023 की अधी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी विसात बिछाने में लग गए हैं। एक तरफ बड़े राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हैं। वहाँ दूसरी तरफ, छोटे दल यारों सुभासपा, महान दल, निषाद पार्टी और अपन दल भी इस चुनाव में हिस्सेदारी कर अपने ख्याव को पाना चाहते हैं, क्योंकि इस साल का निकाय चुनाव, अगले साल यारी 2024 लोकसभा चुनाव का समीक्षाइनल माना जा रहा है। ऐसे में राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और वहून जनसमाज पार्टी ई कोस विप्र छोड़ना नहीं कोई चाहती है। वहाँ, भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर 2017 के दोहराने की कवायद में लग गई है, क्योंकि उस दोरान बीजेपी ने 17 नगर निगम सीट में से 14 अपने नाम कर ली थी। माना जा रहा है कि इस बार भी बीजेपी अपनी रणनीति के जरिए कुछ कमाल दिखा सकती है।



छोटे दलों की दिलचस्पी का राज?

सूची के निकाय चुनाव में छोटे दलों की दिलचस्पी साधारण नहीं है। यह साल 2024 के लोकसभा की जमीन को मजबूत करने और अपनी सियासी जमीन को विसराद देने के लिए एक नीति है। सबसे ज्यादा दबाव आपना दल, निषाद पार्टी, सुभासपा पर है। यह अपनी सियासी जमीन का विसराद और सुबू की सियासत में बड़ा रोल निभाने के सपना पूरा करने लगे हैं। हालांकि, कुछ छोटे दल तो अकेले ही चुनावी रण में खुद को छोड़कर जमीन को मजबूत करने के लिए एक बार चाहते हैं। लेकिन कुछ बीजेपी, सपा और बीजेपी के गठबंधन कर सकते हैं। छोटे दलों का मानना है कि जिनी सीट उनके पाले में गिरेगी, लोकसभा चुनाव में जीत की सभावनाएं उतनी बढ़ोगी। इसीलिए इन दलों का प्राप्त ध्यान है कि किसी तरह निकाय चुनाव में हिस्सेदारी मिले।

छोटे दलों की क्या है स्थिति?

निषाद पार्टी अपनी जाति की संख्या को आधार चुनावकर चुनावी रण में एंट्री चाहती है। माना जा रहा है कि इस बार भी बीजेपी अपनी रणनीति के जरिए कुछ कमाल दिखा सकती है।

में करीब 20 फीसदी मछुआ समुदाय है। साथ ही करीब 50 नगर पालिका परिषद मछुआ बहल्य है। हाल ही, निषाद पार्टी के अक्षय डॉ। संजय निषाद ने सकेत दिए थे कि बीजेपी के साथ गठबंधन पर

चर्चा चल रही है। वहाँ, अपना दल (सोनेलाल) के राष्ट्रीय महासचिव आरबी सिंह पटेल ने भी गठबंधन के अक्षय डॉ। संजय निषाद ने सकेत दिए थे कि बीजेपी के साथ गठबंधन की बात कही थी। बात करें सुहृदावेद भारतीय समाज में बढ़ोगी।

जमीर्द में जनशताब्दी एक्सप्रेस की चर्के में लगी आग

जमीर्द, 6 अप्रैल (एजेंसियां)।

जमीर्द में गुरुवार सुबह जनशताब्दी एक्सप्रेस के एक बोगी के चर्के में आग लग गई। द्रेन 12024 डाउन हावडा जा रही थी। भलुई-जमीर्द रेलवे स्टेशन के बीच पड़े वाली कंदर हॉल्ट के पास सुबह 8 बजे

चर्के नंबर 226404-2116 के चर्के में आग लग गई। हालांकि

आग लगने से जन्म-माल की कोई हानि नहीं हुई।

द्रेन के गार्ड ने बताया कि ब्रैक ब्रैंडिंग के कारण

ये आग लगी थी। आग लगने के

बाद रेल पुलिस तकरों के खिलाफ

कार्रवाई में जुटी हुई है। हालांकि इस

मामले में किसी तस्कर की गिरफतारी

नहीं हो पाई है।

तालाशी के दौरान दो लोगों

के शौचालय में एक लावरिस बैग मिला। रेल पुलिस ने जब यात्रियों से पूछा कि वैग उनका है। इसके बाद रेल पुलिस ने बैग को खोलकर देखा तो आपत्तिजनक सामान मिला। उसकी जब जांच की गई तो पता चला कि वो हाथी दांत है जिसकी कीमत लाखों रुपये है।

जांच में सामने आया कि तस्कर द्रेन के जरिए प्रतिवर्धित कीमती हाथी के दांत की तस्करी कर रहे थे। फिलहाल रेल पुलिस ने 6 किलो से अधिक वजन का हाथी दांत बरामद किया है। जल हाथी दांत की सूचना वन विभाग को देने के बाद रेल पुलिस तकरों के खिलाफ कार्रवाई में जुटी हुई है। हालांकि इस मामले में किसी तस्कर की गिरफतारी

नहीं हो पाई है।

कटिहार, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। विहार के कटिहार में रेल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। देन से भारी मात्रा में हाथी के दांतों को बरामद किया गया है। हाथी के दांतों से भरा हुआ बैग अवध असम एक्सप्रेस द्रेन के ए-1 कोच से बरामद किया गया है। पकड़े गए हाथी दांत की मृतम 60 लाख रुपये की कीमत है। दरअसल कटिहार रेल पुलिस रूटीन इयूटी के दौरान

केसमाजिक तर्वे, अवैध शराब और नर्सीले पदार्थ की टेन में तलाशी ले रही थी। इसी दौरान जैसे ही कटिहार रेलवे स्टेशन के 5 नंबर प्लेटफार्म पर अवध असम एक्सप्रेस द्रेन रुकी उसकी तलाशी शुरू की गई। डिब्रूगढ़ से लालगढ़ तक जाने वाली 1509 अवध असम एक्सप्रेस द्रेन के कोच ए-1 में जब तलाशी ली गई तो पुलिसकर्मी हैरान रह गए। तालाशी के दौरान लोगों

के खिलाफ तक रही है।

कटिहार, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। विहार

के कटिहार में रेल पुलिस को बड़ी

सुभासपा की कीमती हाथी ले रही है।

वरेली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपायकारी और राष्ट्रीय हज समिति के अध्यक्ष एपी अद्वल्लाकुद्दी ने आपेक्षण लगाया कि सारे देश में दृष्टिगत किया जा रहा है कि भाजपा मुस्लिमों के खिलाफ है जो बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि पार्टी का मानना है कि मुस्लिम-हिन्दू भारत माता की संतानें हैं। बुजुर्ग क्षेत्र के नवीनीर्वाचिक क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह के अभिनन्दन समारोह में उत्तर प्रदेश के ए-1 कोच से बरामद किया गया है। पकड़े गए हाथी दांत की मृतम 60 लाख रुपये की कीमत है। दरअसल कटिहार रेल पुलिस रूटीन इयूटी के दौरान

के खिलाफ तक रही है।

कटिहार, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी को मिला हज समिति अध्यक्ष का समर्थन

कहा- 'बीजेपी मुसलमानों के खिलाफ है, यह सरासर झूट'

वरेली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपायकारी और राष्ट्रीय हज समिति के अध्यक्ष एपी अद्वल्लाकुद्दी ने आपेक्षण लगाया कि सारे देश में दृष्टिगत किया जा रहा है कि भाजपा मुस्लिमों के खिलाफ है जो बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि पार्टी का मानना है कि मुस्लिम-हिन्दू भारत माता की संतानें हैं। बुजुर्ग क्षेत्र के नवीनीर्वाचिक क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह के अभिनन्दन समारोह में उत्तर प्रदेश के ए-1 कोच से बरामद किया गया है। पकड़े गए हाथी दांत की मृतम 60 लाख रुपये की कीमत है। दरअसल कटिहार रेल पुलिस रूटीन इयूटी के दौरान

के खिलाफ तक रही है।

कटिहार, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी

को मिला हज समिति अध्यक्ष का समर्थन

कहा- 'बीजेपी मुसलमानों के खिलाफ है, यह सरासर झूट'

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी

स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की बैठक

में आग लग गई।

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी

स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की बैठक

में आग लग गई।

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी

स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की बैठक

में आग लग गई।

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी

स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की बैठक

में आग लग गई।

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी

स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की बैठक

में आग लग गई।

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी

स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की बैठक

में आग लग गई।

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी

स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की बैठक

में आग लग गई।

लखनऊ, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी

स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की बैठक

मुश्किल में दृंप

ज्यादा दिन नहीं हुए जब अमेरिका में राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की परी दुनिया में तूती बोलती थी। अब वही ट्रंप कानून के कठघरे में खड़ा हो कर अपनी बेगुनाही की गुहार लगा रहे हैं। देखा जाए तो अमेरिका के इतिहास में यह पहली बार है जब राष्ट्रपति पद पर रहे इतने ऊंचे कद के व्यक्ति को अदालत में किसी अभियुक्त की तरह पेश होना पड़ा है। इसके पहले ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही थी कि कानून की तकनीकी बारीकियों का हवाला देकर उन्हें अदालत में पेशी से बचा लिया जाएगा। लेकिन ट्रंप अदालत में पेश होने के लिए तब मजबूर हो गए जब न्यूयार्क की ग्रैंड ज्यूरी की ओर से औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए गए। जब उनके सामने कोई विकल्प नहीं बचा तो मंगलवार को उन्होंने मैनहट्टन की अदालत में समर्पण कर दिया। जाहिर है इस मामले में अब जांच आगे बढ़ती रहेगी। बता दें कि ट्रंप पर 2016 में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अभियान के दौरान गैरकानूनी तरीके से संबंधों को छिपाने की कोशिश के तहत अश्लील फ़िल्म की एक कलाकार को चुपके से पैसे दिलवाने और उसका भुगतान भी गलत तरीके से अपने अटार्नी को करने का आरोप है। इस तरह उन पर चौंतीस अपराध के मामले में आरोप तय किए गए हैं। मजेदार बात तो यह है कि आरोप तय होने और स्पष्ट रूप से कानूनी प्रक्रिया शुरू होने के बाद ट्रंप ने खुद को समूचे बेक्सूर बताया है। लेकिन अदालत उन्हें किसी भी तरह से बछाने के मूड में नहीं है। जिस नाटकीय तरीके से वे कोर्ट में उपस्थिति हुए वह वहां मौजूद न्यायाधीशों को भी नागवार गुजारा। जजों के रुख से ही यह साफ हो गया है कि फिलहाल उन्हें इस मामले की कानूनी जटिलताओं से तो जूझना ही पड़ेगा। अगर किन्हीं हालात में उन पर लगे आरोप सांतित होते हैं और वे दोषी घोषित किए जाते हैं तो उन्हें चार साल तक की सजा भी हो सकती है। हालांकि वहां कानूनिविदों का मानना है कि इस मामले में उन्हें जेल की सजा अनिवार्य नहीं है। इसके पीछे कारण जो स्पष्ट दिखाई दे रहा है वह यह है कि दोषी होने के बावजूद वह एक पूर्व राष्ट्रपति हैं। इसके साथ ही अगले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दावदारों में उनका नाम



डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आज हम जिस आधुनिकता का दम भरते हैं और जिस दमघोट माहील में जी रहे हैं, वह बातावरण धीमे जहर की भाँति हमारे शरीर को कमजोर करके गंभीर हा है। धीमा जहर से उत्ते कंक्रीट के जंगल, पार्श्विक संसाधनों का ने वन क्षेत्र, वाहन व का अतिउपयोग, प्लास्टिक व घातक उपयोग, ई-कचरा, शुद्धता जैसी समस्याएं को दूषित कर स्वास्थ्य उत्पन्न करता है। सीधे पर हमला करे या तो हम उसका कड़ा रन्तु अप्रत्यक्ष रूप से री या प्रदूषण से कोई तो भी अधिकतर हम अप्रत्यक्ष रूप में प्रदूषण बीमारियों को निर्मित है। सुदृढ़ स्वास्थ्य को न मानव को बेहतर नाने और सम्पूर्ण विश्व में निपटकर स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देने के लिए 8 को विश्व स्वास्थ्य दिवस जीता की गई। इस साल दिवाल पुरे हो रहे हैं। इसी स्वास्थ्य दिवस का पूरी सुविधा व जागरूकता जीता है, इस वर्ष की ए स्वास्थ्य यह है। के साथ, व्यक्ति के नानामक स्वास्थ्य की उठना ही महत्वपूर्ण है।

पड़ता है। एअर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स अनुसार :- भारत आज दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में से एक है। वायु प्रदूषण वैश्विक जीवन प्रत्याशा को लागभग 2.2 वर्ष कम कर देता है एवं औसत भारतीय जीवन प्रत्याशा को 6.3 वर्ष कम कर देता है, देश के कुछ क्षेत्रों में औसत से कहीं अधिक खराब स्थिति है, ऐसे क्षेत्र में आयु 10 साल से कम हो जाती है। प्रत्यक्ष सिगरेट के धुएं से लगभग 1.9 वर्ष की वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा में कमी आती है। वायु प्रदूषण के लिए डल्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित किये गए मानक स्तर पर भारत देश खरा नहीं उत्तरता है, देश में बहुत प्रदूषण है। भारत का लगभग 70% सतही जल मानव उपभोग के लिए अनुप्रयुक्त है। हर दिन, लगभग 40 मिलियन लीटर अपशिष्ट जल नदियों और जल के अन्य निकायों में प्रवेश करता है। बढ़ते शहरीकरण से जल निकाय भी जहरीले होते जा रहे हैं। कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स के उपयोग के कारण तेजी से ई-कर्चरे की मात्रा विश्व स्तर पर लगातार बढ़ रही है। ग्लोबल ई-वेस्ट स्टैटिस्टिक्स पार्टनरशिप (जीईएसपी) के अनुसार, 2019 तक पिछले पांच वर्षों में इसमें 21% की वृद्धि हुई। अबर बल्ड इन डेटा बेबसाइट पर हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2015 से 2020 तक 6,840,000 हेक्टेयर जंगल खो दिया है, 98 देशों में भारत दूसरे स्थान पर है। बढ़ती मिलावटखेरी :- 2021-22 में खाद्य नियामक ने 144,345 नमूनों का विश्लेषण किया, जिनमें से 32,934 एफएसएस अधिनियम, 2006 और विनियमों के तहत निर्धारित मानकों का उल्लंघन करते पाए गए। मिलावटी खाद्य जहरीला होता है यह स्वास्थ्य को प्रभावित कर मनुष्य के समुचित विकास के लिए

वश्यक पोषक तत्वों से वंचित करता है। सबसे बुरी बात यह है कि कुछ मिलावटी द्वयपदार्थ तो दर्दनाक मौत देनेवाली मामरियों के जनक होते हैं। चिकित्सा ज्ञान की एक पत्रिका के अनुसार दृष्टिंजन और पानी के सेवन से भारत में हर लल लगभग 2 मिलियन मौतें होती हैं। उज दृष्टिंजन विकास के लिए सबसे आवश्यक वन खाद्यपदार्थ कैसे बना रहे, वर्तमान में इसके ए सबसे ज्यादा जिम्मेदार हमारी वनशैली है। हमारी चटोरी जुबान आस्थ्य के लिए बेहतर खाद्यपदार्थों को नारकर केवल स्वाद के हिसाब से द्वयपदार्थों का चयन करती है। वसा, वन में भारी, मसालेदार, तला, मीठा, गकीन ऐसे खाद्य पदार्थ की मांग अधिक आज की पीढ़ी को तो जंक फूड, फास्ट ड जैसा बाहरी खाना ज्यादा परसंद आता इसलिए अब स्ट्रीट फूड का चलन बहुत बढ़ गया है। सबको तैयार उत्पाद चाहिए, पर मेहनत नहीं। जीवनशैली के हिसाब अब जानलेवा घातक बीमारियां हमें सानी से जकड़ती हैं। आज किसी भी ग में कोई भी कभी भी बीमारी का शिकार कर अपनी जान गवाता है। कभी इस मर्यादा पर गौर किया है कि ऐसा क्यों होता है? इसका मुख्य कारण है जहरीला तावरण और हमारी अनभिज्ञता। धुनिकता ने दूसरों पर निर्भरता बढ़ायी यांत्रिक संसाधन के बगैर आज हम जीवों सकते। भोजन बनाने के लिए वश्यक ज्यादा से ज्यादा पदार्थ निर्जिंगवाली चीजें हम बाहर से ही बनाते समय अनेक प्रक्रिया से होकर तरना पड़ता है, जिसके कारण उसमे तु-से रसायन मिलते हैं, जो उस वस्तु मूल पोषकतत्वों को कम कर शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। यहाँ तक कि अनाज भी पॉलिश किया हुआ खरीदते हैं क्योंकि वो अनाज दिखने में चमकदार दिखता है। आज हमारे जीवन में हर तरफ रसायन का उपयोग उच्चतम स्तर पर है। खेती में रसायन, फलों को पकाने और संग्रहण में रसायन। मिलावटखोरी तो इस कदर है कि किसी भी खाद्य उत्पाद के पूर्णत शुद्धता की गरंटी लेना मुश्किल है। जागरूकता और सावधानी जरूरी :- डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों, फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड का सेवन कम करें। हाई-फ्रूटोज कॉर्न सिरप, कृत्रिम मिठास, ट्रांस फैट, कृत्रिम खाद्य रंग, मोनोसोडियम ग्लूटामेट, सोडियम नाइट्रोट और सोडियम नाइट्रोइट, पकलॉरेट, थैलेट, बिस्फेनोल्स, बीपीए, सोडियम बैंजोएट और पोटेशियम बैंजोएट, व्हूटिलेटेड हाइड्रोक्साइनिसोल जैसे पदार्थ विविध खाद्यपदार्थों में मिश्रित होते हैं, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी नुकसानदेह है। ऐसे चीजों से हमेशा बचना चाहिए। चूंकि गर्मी प्लास्टिक से बीपीए और थैलेट को भोजन में लीक कर सकती है, इसलिए प्लास्टिक के कंटेनरों में भोजन या पेय पदार्थों को रखने से बचें। इसके अलावा: प्लास्टिक को डिशवॉशर में डालने के बजाय हाथ से धोएं। प्लास्टिक की जगह कांच और स्टेनलेस स्टील का ज्यादा इस्तेमाल करें। खाने को छूने से पहले और बाद में अच्छी तरह से हाथ धोएं और सभी फलों और सब्जियों को अच्छी तरह से साफ करें। सेहत ही संपत्ति है, सुदृढ़ स्वास्थ्य के लिए जागरूकता और जिम्मेदारी का अहसास बना रहना चाहिए। निरोगी काया के लिए सबसे उत्तम है कि दिखावे और आधुनिक जीवनशैली का साथ छोड़े, आधुनिक विचारों से बने। सबसे मुख्य बात कि सरकारी नीति-नियमों, नियंत्रणों का कड़ाई से पालन हो। यांत्रिक साधनों का सीमित उपयोग करें।

डॉक्टर और दवाइयों की कमी से जूझता देश का स्वास्थ्य



डॉ सत्यवान सौरभ

ल 11% केंद्र और भारतीय करते हैं। वल एक 90,000 उपलब्ध ता उनके प्रधिकांश कल द्वारा अंडॉक्टर जो जब अपताल में आ जाते हैं तालियों के जाते हैं। भारत की मस्या है। जल्लरत वर्जनिक प्रांश रोगी जाने को स्वास्थ्य वल 7% स्वास्थ्य मानकों करते हैं। इद और रूप से से पहले गहरण के के लिए प्रतिशत की जाती गरकों के जीवनी है, तो चरमरा प्रतिशत जाता है। में निजी है और की ओर अपतालों के लिए का विषय रहा है क्योंकि सार्वजनिक अस्पतालों को बजटीय सहायता मिलती रहेगी। यह निजी क्षेत्रों को सरकारी योजना में सक्रिय रूप से भाग लेने से रोकेगा। रोगी स्वास्थ्य व्यय का एक बड़ा हिस्सा बहन करते हैं, जो कि कुल स्वास्थ्य व्यय का 61 प्रतिशत है। यहां तक कि गरीब भी निजी स्वास्थ्य सेवा का विकल्प चुनने को मजबूर है, और इसलिए, अपनी जेब से भुगतान करते हैं। नतीजतन, अनुमानित 63 मिलियन लोग सालाना स्वास्थ्य व्यय के कारण गरीबी में गिर जाते हैं। भूगोल, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और अन्य लोगों के बीच आय समूहों जैसे कई कारकों के कारण स्वास्थ्य क्षेत्र में असमानता मौजूद है। श्रीलंका, थाईलैंड और चीन जैसे देशों की तुलना में, जो लगभग समान स्तरों पर शुरू हुए, भारत स्वास्थ्य देखभाल परिणामों पर साथियों से पीछे है। भारत दुनिया में सबसे कम प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य देखभाल व्यय वाले देशों में से एक है। बीमा में सरकार का योगदान मोटे तौर पर 32 प्रतिशत है, जबकि ब्रिटेन में यह 83.5 प्रतिशत है।

भारत में अत्यधिक खर्च इस तथ्य से उपजा है कि 76 प्रतिशत भारतीयों के पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है। नकली डॉक्टर: ग्रामीण चिकित्सक (आरएमपी), जो 80% बाह्य रोगी देखभाल प्रदान करते हैं, के पास इसके लिए कोई औपचारिक योग्यता नहीं है। लोग नीम-हकीमों के शिकार हो जाते हैं, जिससे अक्सर गंभीर अपंगता और जीवन की हानि होती है। सरकार ने कई नीतियां और स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किए हैं लेकिन सफलता आंशिक ही रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2002 में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च को 2010 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के दो से तीन प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव है जो अभी तक नहीं हुआ है। अब, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने इसे 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद के 2.5 प्रतिशत तक ले जाने का प्रस्ताव दिया है। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में भारत के प्रमुख कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के साथ समग्र स्थिति निराशाजनक बनी हुई है। स्वास्थ्य बजट में एनएचएम की हिस्सेदारी 2006 में 73% से गिरकर 2019 में 50% हो गई, क्योंकि राज्यों द्वारा स्वास्थ्य खर्च

आर-ओ का पानी क्यों नहीं पीना चाहिए?



राजनीश कपूर

पाना चाहए ?
मुरानी बात है, 'हर कने वाली ज सोना नहीं होता'। यह बात उस चीज़ के लागू होती जिसे हम फिर बो चाहे बदलने वाला क्यों न हो। पानी जितना है उतना ही ? क्या आर-ओ जरूरी तत्व शरीर की विकास के हमें आर-ओ देए ? अक्सर वृष्टि पानी से आती हैं। दृष्टि बीमारियों से पानी को पीने जाने के लिए आर-ओ) व पकरण बाज़ार उपकरणों को माँगते के दावे हैं सर्वश्रेष्ठ हैं। सभी कीटाणु भी निकाल उत्तर हाँ है तो करी मिनरल हिए ? विश्व व्यूरो ऑफ तय मानकों से ज आप

क्यों न इसकी जाँच स्वयं ही कर ली जाए। तब हमने मापक की मदद से अपने घर व कार्यालय में अलग-अलग स्रोतों के पानी की जाँच की। आर-ओ से निकलने वाले पानी की टीडीएस मात्रा 20 से 25 के बीच पाई गई। जल बोर्ड द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पानी की टीडीएस मात्रा 100-110 के बीच पाई गई। वहीं जल बोर्ड के पानी को मिट्टी के घड़े में 8 घंटे से अधिक रखने के बाद उस पानी की टीडीएस मात्रा 125-130 के बीच आई। इसका मतलब यह हुआ कि दिल्ली जैसे शहर में जल बोर्ड द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता काफी अच्छी है। परंतु जब अपने ही कार्यालय के एक सह-कर्मी के घर के पानी के सैंपल को जाँच गया तो वहाँ आर-ओ का आँकड़ा तो नहीं बदला पर जल बोर्ड का आँकड़ा काफी अधिक पाया गया, 500 से ऊपर। ऐसे इलाकों में जब तक सही टीडीएस का पानी उपलब्ध न हो तब तक मजबूरी में आर-ओ का ही पानी पीना चाहिए। पानी में टीडीएस 100 मिलीग्राम से कम हो तो उसमें चीजें तेजी से घुल सकती हैं। प्लास्टिक की बोतल में बंद पानी में कम टीडीएस हो तो उसमें प्लास्टिक के कण घुलने का खतरा भी होता है। ऐसा पानी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है। ऐसा भी देखा गया है कि कई आर-ओ बनाने वाली कंपनियां पानी को मीठा करने के लिए उसका टीडीएस घटा देती हैं। 65 से 95 टीडीएस होने पर पानी मीठा तो जरूर हो जाता है लेकिन उसमें से कई जरूरी मिनरल्स भी निकल जाते हैं। जानामन्त्री

तू मेरी खुजली मिटा और मैं तेरी



A close-up photograph showing a textured surface with vibrant blue and yellow colors, possibly a piece of fabric or a decorative material.

रामभरोसे की कानाफूसी वार्ड ब्वॉय बड़े ध्यान से सुन रहा था। वह रामभरोसे के पास आया। वह से भगा दिया। वार्ड ब्वॉय जानाफूसी करते हुए कहा-
ज्यादा चपड़-चपड़ मत अस्पताल में नया आया गुरुक मनाो नर्स तो पुरानी तुम जल्दी आ गए। थोड़ा गथों ही नप जाते। तब तुम नहीं लेट रामभरोसे भगवान का भला हो जो मच्छी है। वो जैसा कहते हुए तो बिना इलाज के मुफ्त अभी डॉक्टर ने वार्ड ब्वॉय को फॉर्म भरवाने के लिए ये ने परिजन से फॉर्म भरकर परिजन जैसे ही बारे में ठीक से पता नहीं है। लोग हैं कि मरीजों को डॉक्टर ठीक बजाकि सच यह है कि मरीज का ठंडा डॉक्टर या भगवान के हाथ में नहीं हाथ में होता है। हम यहाँ के वार्ड बर्निबहुड हैं। इसलिए जब तक हम नहीं किया जाता तब तक मरीज बनकर रह जाता है या फिर इस दुनौ दो ग्यारह हो जाता है। इस अस्पताल का नाम अच्छर काटते हैं। पंखा ठीक से बदलते हुए उनके इशारों पर नाचेंगे। जो हमारा रखता है हम उनका ख्याल रखते हैं तो एक ही पालिसी है - तू मेरी मिटा मैं तेरी।

डॉक्टरों का क्या है? सुबह-शाही एक गउड मरेंगे, दवा लिखेंगे और चक्कर हो जायेंगे। और जहाँ तक नसों का है, वो तो डॉक्टर की बाताएँ नहीं हैं।

समझते रहते हैं। काम के होना भी हमारे बायं नहीं में खुश मरीज निया से गताल में आग नहीं है। जो ख्याल हमारी खुजली में दिखता है, वह उसके अपने दबंगई पर उतर आए तो मजाल कोई डॉक्टर या नर्स किसी मरीज का इलाज कर पायें। हाँ कहीं तुम मेरी शिकायत करने के बारे में सोच रहे हो तो यह ख्याल अपने दिमाग से निकाल दो। तुम्हारे जैसे कितनों ने हमारे खिलाफ जहाँ चाहा वहाँ शिकायत की। मजाल कि वो हमारा बाल भी बांका कर सके हों। कइयों ने हमारे तबादले के बारे में सोचने की जुरत क्या कि हमारे —————— ते —————— ते —————— ते —————— ते —————— ते



घर की इस दिशा में स्वास्तिक बनाना बेहद शुभ



हिंदू धर्म में कुछ ऐसे चिन्ह हैं, जिनको शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन चिन्हों को घर के मुख्य द्वार पर बनाने से घर में सुख समृद्धि और धन आता है। इन्हीं में से एक है स्वास्तिक। घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाना बहुत ही शुभ माना गया है।

स्वास्तिक शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है। जिसमें सु का अर्थ है शुभ और अस्ति का अर्थ है होना। हिंदू धर्म के हर मंगल कार्य में स्वास्तिक का प्रयोग किया जाता है। इसे भगवान गणेश का प्रतीक चिन्ह भी माना गया है। भारतवर्ष में कई जगह पर स्वास्तिक को सातिया भी



कहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार स्वास्तिक को घर के मुख्य द्वार पर बनाना बहुत शुभ होता है। भोजपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पंडित हिंदू कुमार शर्मा बता रहे हैं, घर की किस दिशा में स्वास्तिक बनाना शुभ होता है।

घर की इस दिशा में स्वास्तिक बनाना शुभ

वास्तु शास्त्र का मानना है कि हिंदू या सिंहूर से स्वास्तिक का निशान बनाना शुभ होता है, लेकिन स्वास्तिक के चिन्ह को घर में बनाने समय दिशा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इस चिन्ह को बनाने के लिए आप घर की उत्तर पूर्व दिशा का इत्येमाल कर सकते हैं।

स्वास्तिक का चिन्ह पूजा स्थान या पिर घर के मुख्य द्वार पर भी बनाना जा सकता है। माना जाता है कि इसपे शुभ फल प्राप्त होते हैं। वास्तु दोष संवर्धित समस्याओं के कारणात्मक प्रभाव को भी स्वास्तिक बनाने के द्वारा कम किया जा सकता है।

स्वास्तिक बनाने समय यह बातें रखें ध्यान

वास्तु विशेषज्ञ का मानना है कि घर के मुख्य द्वार और घर के मंदिर में स्वास्तिक बनाने से घर के वास्तु दोषों को दूर किया जा सकता है। घर के मुख्य द्वार और घर के मंदिर में हल्दी से स्वास्तिक बनाएं और उपरोक्त नीचे शुभ लाभ लियें। माना जाता है हल्दी से स्वास्तिक बनाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ता है, और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद भी मिलता है। स्वास्तिक बनाने से प्रत्येक चीज़ को बढ़ावा देना समय ध्यान रखना चाहिए। कि ये 9 उंगली लंबा और चौड़ा हो।

हर मनोकामना पूरी कर देगा तुलसी के 11 पत्तों का ये चमत्कारिक उपाय

भारतीय धरों में तुलसी का पौधा होना आम बात है। कई धरों में तो तुलसी के पौधे को रोज़ पूजा की जाती है। साथ ही तुलसी के पत्ते खाए जाते हैं, औरध के तीर पर इनका इस्तेमाल होता है। धर्म और ज्योतिष में तुलसी के पत्तों के कुछ चमत्कारिक उपाय बताए गए हैं, जो जातक की हर मनोकामना पूरी करने वाले हैं। तुलसी मां लक्ष्मी का प्रपात है और तुलसी की कुप्रा आपके जीवन को सुख-संपन्नता, खुशियों से भर देती है। आइए जानें हैं मनोकामना पूरी करने वाले तुलसी के पत्तों के उपाय।

- अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए तुलसी के 11 पत्ते तोड़ लें। ध्यान रहे कि तुलसी के पत्ते रविवार का एकादशी के दिन ना तोड़ें। ना ही तुलसी नाहाए या गंदे हाथी से तुलसी को छुएं। स्नान करने के बाद तुलसी के सपाने हाथ डाँड़े और फिर उंगलियों के पांव से तुलसी के पत्ते तोड़ें। फिर इन 11 पत्तों को धोकर अच्छी तरह सुखा लें। इसके बाद हनुमान जी को चालाया जाने वाले नारंगी सिंदूर में तेल मिलाकर तुलसी के पत्तों पर राम नाम लियें। फिर इन पत्तों की माला बनाकर हनुमान जी की अर्पित करें और उन्हें अपनी मनोकामना बताकर उसे पूरा करने की प्रार्थना करें।

- इसके अलावा मनोकामना पूरी करने का एक और उपाय बहुत कारगर है। इसके लिए तुलसी के 4-5 पत्ते लें। फिर इन पत्तों को धोकर कर लें। इसके बाद पीसक जल लेकर तुलसी के पत्ते डालकर रख दें। रोज नहाने के बाद इस जल को घर के दरवाजे पर छिड़कें। इससे घर की नकारात्मकता दूर होगी और घर में सुख-समृद्धि, शांति रहेगी।

- तुलसी के पत्तों को लाल रंग के कड़े में बांधकर तिजोरी में रख दें। इन्हें पर्स में भी रख सकते हैं। ऐसा करने से आर्थिक तंगी दूर होती है।

ये समझ नहीं आया आखिर ये होता कैसे है।

अपने घर की ये 5 चीजें किसी के साथ न करें शेयर

हर एक समाज में एक-दूसरे के साथ सुख-दुख बांटने की परंपरा है। कई शूलों अवसरों या फिर किसी की घर में कोई चीज की कमी हो जान पर आपसे लेने चले आते हैं और आप बिना सोचे समझे उठें देते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में मौजूद कुछ चीजों को किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से घर को बरकत, सुख-शाश्वत, समृद्धि, वैधव सभी चीजें उस व्यक्ति के घर में चली जाती हैं। इसके साथ ही घर में अलक्ष्मी का वास हो जाता है। जिन्हें ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जिन्हें किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए।

रसोई घर की चीजें
घर की रसोई में रखी चीजों को साथें भाय से जोड़ा जाता है। ऐसे में रसोई में से ही हैं तवा, चिमटा, बेलन आदि। इन्हें सो जाने से दूसरों को देने से अन्यूपासा नाश हो जाती है। इसके साथ ही घर में मां लक्ष्मी भी घर से चली जाती है। इसलिए कोशिश करें कि रोटी बनाने वाली चीजों को किसी के साथ शेयर न करें।

झाड़
वास्तु शास्त्र के अनुसार, झाड़ में मां लक्ष्मी का वास होता है। झाड़ घर की दरिद्रता को हटाने के साथ-साथ सुख-समृद्धि

और खुशहाली लाती है। इसलिए झाड़ भी किसी को नहीं नहीं देना चाहिए, क्योंकि झाड़ के साथ मां लक्ष्मी उस व्यक्ति के घर में चली जाएगा।

पत्नी द्वारा बचाया गया धन

जीवन में आने वाली की ये भी मूरीज़ों से निपटने के लिए पत्नी द्वारा बचाया ही धन काम आता है। इसलिए इसे किसी को नहीं देना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से आरंभण के साथ चला जाता है और भाय पर बुरा असर पड़ता है।

आभूषण

वास्तु शास्त्र के अनुसार, कभी भी किसी को अपनी पत्नी, बहन या फिर भी के आभूषण या फिर कपड़े किसी को उधार नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से सुख-समृद्धि, धन-ऐश्वर्य भी आभूषण के साथ चला जाता है और भाय पर बुरा असर पड़ता है।

घड़ी

वास्तु के मूलांक, घड़ी अच्छे या फिर बुरे भाय से जुड़ी होती है। इसलिए इसे भी किसी को नहीं देना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से आपका अच्छा भाय इस व्यक्ति के पास जा सकता है। ऐसे में आपके प्रोफेशनल लाइफ पर बुरा असर पड़ सकता है।



पापनाशिनी गंगा में कितनों के धुलते हैं पाप

पार्वती जी ने देखा कि सहस्रों मनुष्य गंगा में नहा-नहाकर 'हर-हर गंगे'

कहते चले जा रहे हैं परंतु प्रायः सभी दुःखी और पाप परायण हैं। तब पार्वती जी ने बड़े आश्चर्य से शिव जी से पूछा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

एक समय शिव जी महाराज पार्वती के साथ हरिद्वार में धूम रहे थे।

पार्वती जी ने देखा कि सहस्रों मनुष्य गंगा में नहा-नहाकर 'हर-हर गंगे'

कहते चले जा रहे हैं परंतु प्रायः सभी दुःखी और पाप परायण हैं। तब पार्वती जी ने बड़े आश्चर्य से शिव जी से पूछा कि हैं तब इन्हें ताव कैसे नहीं किया जाए ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने देखा कि रहे देव ! गंगा में तिनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुःखों का नाश क्यों नहीं हुआ ?

पार्वती जी ने

सलमान-शाहरुख के साथ सबसे बड़ी फिल्म बनाने की तैयारी

सिद्धार्थ आनंद करेंगे फिल्म का डायरेक्शन; यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा होगी फिल्म

पठान की जबरदस्त सफलता के बाद यशराज फिल्म्स अब सलमान और शाहरुख को एक साथ लाना चाहती है। सिद्धार्थ आनंद इस फिल्म का डायरेक्शन करेंगे। यशराज फिल्म्स ने इसकी पृष्ठी कर दी है। ये भारत के इतिहास की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी। ये फिल्म भी यशराज स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा होगी। यशराज फिल्म्स के मालिक आदित्य चोपड़ा को सिद्धार्थ पर काफी भरोसा है, यहीं वो बजह है कि जिसके लिए उन्होंने सिद्धार्थ को चुना है।

सिद्धार्थ के लिए इन फिल्म ही ही 'पठान वर्लें टाइगर'

टेंड एनालिस्ट ने फिल्मों दिनों यशराज स्पाई यूनिवर्स की कुछ अपकामिंग फिल्मों का जिक्र किया था। जिसमें वार्ं 2, टाइगर 3 और पठान वर्लें टाइगर जैसे प्रोजेक्ट थे। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा पठान वर्लें टाइगर की हो रही है। ये पूरी दुनिया को पata है कि पठान और टाइगर यहाँ किसे कहा जा रहा है। पठान यानी शाहरुख खान और टाइगर यानी सलमान खान। अब दोनों को समय बाद एक कुल फिल्म में काम करने जा रहे हैं। इन दोनों को सुपरस्टार्स को डायरेक्ट करने की जिम्मेदारी सिद्धार्थ आनंद को दी गई है।

डेलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक, आदित्य



चोपड़ा को सिद्धार्थ आनंद के काम पर काफी भरोसा है। सबसे बड़ी फिल्म बनाने में उन्हें जो भी हेल्प होगी वो प्रोडक्शन टीम के जरए दी जाएगी। जनवरी 2024 से फिल्म की शूटिंग स्टार्ट हो जाएगी। बता दें कि सिद्धार्थ आनंद के हाथ से वार 2 जैसी फिल्म निकल गई थी। उनकी जगह पर अयान मुख्तीय को मौका दिया गया है। हालांकि अब सिद्धार्थ के हाथ सबसे बड़ी फिल्म लग गई है, इसलिए शायद अब उन्हें ज्यादा सोचने की जरूरत न हो।

अब कैमियो नहीं...फुल फिल्म में साथ कान

राघव चड़ा से इस हफ्ते सगाई की खबरों के बीच लंदन के लिए रवाना हुई परिणीति चोपड़ा



आपको बोर्डिंग पास भी दिखा सकती है।

10 अप्रैल को हो सकती है सगाई

रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राघव और परिणीति चोपड़ा जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।

वही खबरें ये भी हैं कि राघव और परिणीति 10 अप्रैल को दिल्ली में सगाई करने वाले हैं। हालांकि इन रूमस पर अभी तक कपल ने कोई आधिकारिक अनांतर्संगत नहीं की है।

परिणीति-राघव के दिव्येन्द्रिय पर दिगंग हार्दि

संपु ने लगाया हुआ

परिणीति एक्ट्रेस परिणीति रेड स्टेटर, ब्लैक पैट और बूट्स में काफी स्टाइलिश लग रही है। इस दौरान उन्होंने मुख्यरूप हुए पैपराजी को पोज भी दिया। वीडियो में मीडिया परिषद उनसे सगाई को लेकर सवाल करते हैं, जिस पर एक्ट्रेस ब्लैश करने लगती हैं और कहती हैं कि वह लंदन जा रही है। इसके बाद वह बोलती है-

करेंगे शाहरुख-सलमान की फिल्म की फिल्म वर्लें टाइगर और सलमान सबसे पहले 1995 की फिल्म करने अर्जन में नहर आए थे। ये फिल्म अपने समय में काफी बड़ी हिट थी। उसके बाद इन दोनों ने 'हम तुम्हारे हैं सनन' में साथ काम किया।

'कुछ कुछ होता है' में सलमान का गेस्ट अपीयरेंस था जिस ऑडियंस ने काफी पसंद किया था। उसके बाद शाहरुख खान की 2018 में रिलीज फिल्म जीरो में भी सलमान का कैमियो था। अभी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म

मेरे पापा का सपना था मुझे पद्म श्री मिले, अफसोस ये सफलता देखने के लिए वो आज नहीं हैं

एक्ट्रेस रवीना टंडन को सिनेमा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए बुधवार को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस

रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राघव और परिणीति चोपड़ा जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड़ा के रिलेशनशिप पर सिंग हार्दि संघर्ष भी हो रहा है। उन्होंने मुख्यरूप हुए पैपराजी को दिए एक्टर्स में उन्हें खुशी है कि परिणीति अब लाइफ में सेटलैट होने जा रही है। हार्दि ने कहा कि उन्होंने फोन कॉल के जरिए परिणीति को बधाई भी दे दी है।

परिणीति पर एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड़ा के रिलेशनशिप पर सिंग हार्दि संघर्ष भी हो रहा है। उन्होंने मुख्यरूप हुए पैपराजी को दिए एक्टर्स में उन्हें खुशी है कि परिणीति अब लाइफ में सेटलैट होने जा रही है। हार्दि ने कहा कि उन्होंने फोन कॉल के जरिए परिणीति को बधाई भी दे दी है।

एक्ट्रेस रवीना टंडन को पद्म श्री सम्मानित किया जाएगा, जो उनके लिए बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत मिक्स इमोशन थे। इस बात की ओरी खुशी थी कि मुझे यह सम्मान मिल रहा है। बिल्कुल ज्यादा खुशी इस बात की ओरी कि मुझे महसूस हुआ कि मैंने आखिरकार अपने पिता का सपना पूरा कर दिया।

अपनी बेटी राशा और बेटे राघव चड़ा के

प्रियोरिटी पर परिणीति रेड स्टेटर, ब्लैक पैट

और बूट्स में काफी स्टाइलिश लग रही है। इस दौरान उन्होंने मुख्यरूप हुए पैपराजी को पोज भी दिया। वीडियो में मीडिया परिषद उनसे सगाई को लेकर सवाल करते हैं, जिस पर एक्ट्रेस ब्लैश करने लगती हैं और कहती हैं कि वह

लंदन जा रही है। इसके बाद वह बोलती है-

एक्ट्रेस रवीना टंडन को सम्मानित किया जाएगा, जो उनके लिए बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत मिक्स इमोशन थे। इस बात की ओरी खुशी थी कि मुझे यह सम्मान मिल रहा है। बिल्कुल ज्यादा खुशी इस बात की ओरी कि मुझे महसूस हुआ कि मैंने आखिरकार अपने पिता का सपना पूरा कर दिया।

एक्ट्रेस रवीना टंडन को पद्म श्री सम्मानित किया जाएगा, जो उनके लिए बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने लिए वो आज यहाँ नहीं है। रवीना ने आगे कहा-

मेरे लिए इस सम्मान को लेकर बहुत प्राइड मोमें होगा। मुझे ये सम्मान मिलता, मगर अफसोस ये देखने

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

थुक्कार, 7 अप्रैल, 2023

9

रवीना टंडन और एम.एम कीरवानी को पद्म श्री सिंगर वाणी जयराम को मरणोपरांत पद्म भूषण



पाने वालों की लिस्ट गश्टपति भवन द्वारा हर 26 जनवरी को जारी किए जाते हैं। इस बार सिनेमा जगत से रवीना टंडन और एम.एम कीरवानी को ये पुरस्कार मिला है।



वाणी जयराम को पद्म भूषण
हाल ही में दिवांग हुई साउथ की फेमस सिंगर वाणी जयराम को मरणोपरांत पद्म भूषण से पुरस्कार मिला है। वाणी ने कुल 18 वार्षिकों में गाने गए थे। वाणी ने बॉलीवुड को भी कई बेहतरीन गाने दिए हैं। 1980 में वाणी को मीरा फिल्म के, मेरे तो गिरधर गोपाल... गाने के लिए फिल्मफेयर अर्डर से सम्मानित किया गया था।

दिनें उत्कृष्ट योगदान के लिए गिला पुरस्कार

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन को पद्म श्री से नवजाग दिया गया है। रवीना को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए देश के चौथे सबसे बड़े सम्मान से नवजाग दिया गया है। फिल्मों के अलावा रवीना कुछ सालों से महिला सशक्तिकरण और शिक्षा संबंधी मुद्दों पर भी काम कर रही है। रवीना के अलावा हाल ही में

ऑस्कर जीतने वाले स्पूजिक कंपेझर एम.एम कीरवानी को भी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

शास्त्रपति भवन में दिए जा रहे पद्म पुरस्कार

5 अप्रैल को
राष्ट्रपति भवन में
पद्म पुरस्कार
वितरित किए
गए।
पुरस्कार

'हमारे रिलेशनशिप में धर्म कभी आड़े नहीं आया' : मनोज बाजपेयी

बोले- मैं ब्राह्मण परिवार से था..फिर भी मुटिलम से शादी करने पर फैनिली को नहीं थी आपति

मनोज बाजपेयी ने हाल ही में अपनी इंटरफेक्शन मैरिज को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि वो कभी भी अपने घर पर रिलेजन को लेकर कोई चर्चा नहीं करते हैं। जब उन्होंने शादी करने का फैसला किया तो उन्हें अपनी फैमिली से किसी तरह से विरोध का सामना नहीं करना पड़ा था। मनोज के मुताबिक, वो एक प्राउड हिंदू हैं जबकि उनकी वाइफ शबाना भी एक प्राउड मुस्लिम हैं। दोनों के रिलेशनशिप में कभी धर्म आड़े नहीं आया। मनोज का कहना है कि वो और शबाना एक दूसरे के धार्मिक भावनाओं का काफी सम्मान करते हैं।

एक इंटरव्यू में मनोज ने कहा, 'वैल्यूम की बजह से हमारे बीच रिश्ता चल रहा है। अगर हम एक दूसरे की मूल्यों का सम्मान न करें तो हमारी शादी नहीं चलेगी।' मनोज ने कहा, 'मुझे ये चीजें बदलती हैं कि कोई किसी के बीच धर्म के बारे में एक सामांतवादी ब्राह्मण परिवार से आता था। शबाना के ताल्लुकत भी एक प्रतिष्ठित परिवार से हैं। लेकिन हैरानी की बात ये है कि मेरे परिवार से किसी ने मेरी शादी को लेकर विरोध नहीं किया। वो कभी भी मेरी वाइफ के रिलेजन के बारे में बात नहीं करते हैं।'

'वाइफ के धर्म के खिलाफ बात नहीं सुन सकता'

मनोज ने अगे कहा, 'शबाना बहुत ज्यादा धार्मिक नहीं है। हाँ



मनोज ने अपनी बेटी से जुड़ी एक बात को याद करते हुए कहा, 'मेरी बेटी तीसरी या चौथी कलास में थी। उसने अपनी मां से एक दिन पूछा कि वो किस धर्म से आती हैं। क्योंकि इसके बारे में स्कूल में चर्चा हो रही थी। तब मनोज ने बेटी से पूछा कि वो किस धर्म को फॉलो करना पसंद करते हैं... ये भी चोर मुझे बदाशन नहीं है। मुझे रोकना तब किसी के लिए ही मुश्किल हो जाएगा। दोस्तों के बीच में भी आगे ऐसी बातें होंगी तो मैं उस चीज को सहाना नहीं। मेरा इस मामले में गुस्सा काफी ज्यादा है।'

बेटी बौद्ध धर्म से थी प्रभावित

वो आध्यात्मिक जरूर हैं। हम दोनों अपने इंटरव्यू में अपने धर्म का सम्मान करते हैं। हालांकि इससे हम दोनों के बीच कभी विवाद नहीं हुआ।' मनोज ने कहा, 'मुझे ये चीजें बदलती हैं कि कोई किसी के बारे में एक सामांतवादी ब्राह्मण परिवार से आता था। शबाना के ताल्लुकत भी एक प्रतिष्ठित परिवार से हैं। लेकिन हैरानी की बात ये है कि मेरे परिवार से किसी के बारे में बात नहीं करते हैं।'

मनोज ने अपनी बेटी से जुड़ी एक बात को याद करते हुए कहा, 'मेरी बेटी तीसरी या चौथी कलास में थी। उसने अपनी मां से एक दिन पूछा कि वो किस धर्म से आती हैं। क्योंकि इसके बारे में स्कूल में चर्चा हो रही थी। तब मनोज ने बेटी से पूछा कि वो किस धर्म को फॉलो करना पसंद करते हैं... ये भी चोर मुझे बदाशन नहीं है। मुझे रोकना तब किसी के लिए ही मुश्किल हो जाएगा। दोस्तों के बीच में भी आगे ऐसी बातें होंगी तो मैं उस चीज को सहाना नहीं। मेरा इस मामले में गुस्सा काफी ज्यादा है।'

मनोज के बारे में उनकी बातें

मनोज बाजपेयी को नहीं थी। इस

बाजपेयी की बातें

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

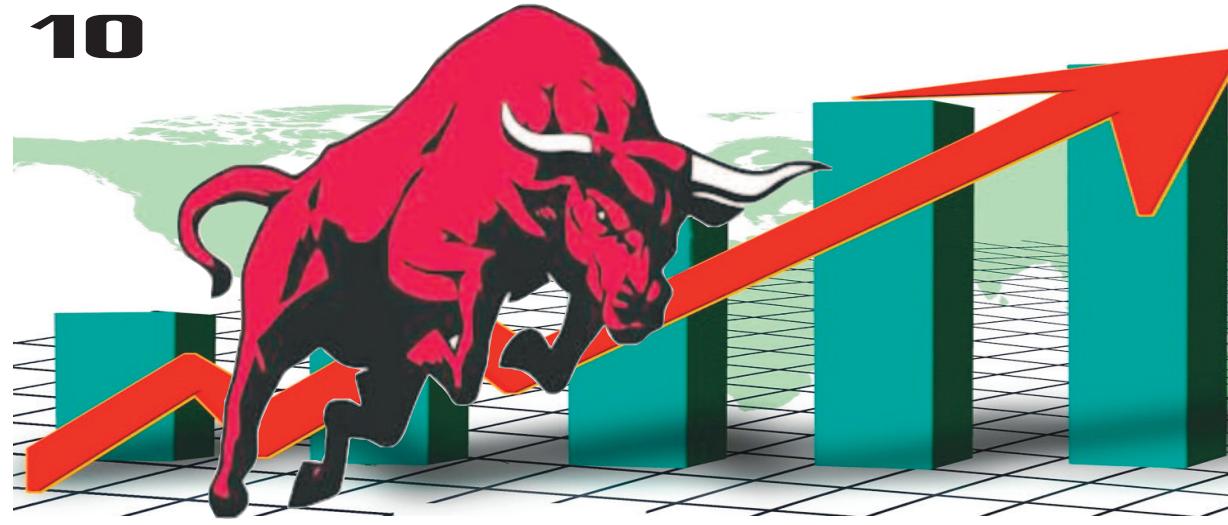
मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

मनोज ने कहा कि वो अपनी बेटी को नहीं थी।

</

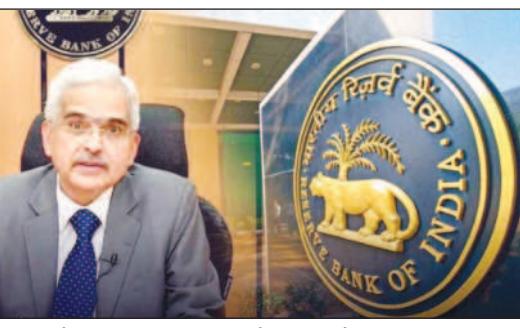


ब्याज दर में बदलाव नहीं : 6.50% पर बना रहे रेपो रेट, महंगे नहीं होंगे लोन

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने गुरुवार को रेपो रेट में इजाफा न करने का फैसला किया है। यानी ब्याज दर 6.50% बनी रहेंगी। इससे फहले आरबीआई ने रेपो रेट में लगातार 6 बार इजाफा किया था। आज के आरबीआई के फैसले से पहले एक सप्तर्ष अनुमान जता रहे थे कि रेपो रेट में 25 बेसिस प्याइट यानी 2.5% का इजाफा किया जा सकता है। ऐसा इसलिए, बैंकोंकी हाल ही में फेडरल रिजर्व, योरेपियन सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया समेत दुनिया के तमाम सेंट्रल बैंकोंने ब्याज दर बढ़ाव दी थी।

क्या हुआ: रिजर्व बैंक ने बीते एक साल में लगातार 6 बार ब्याज दरें बढ़ाने के बाद बढ़ाव दी थी।

आरबीआई ने 2022-23 में 6 बार में ब्याज दरों में 2.50% की बढ़ावी की है। मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। पिछले वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। तब आरबीआई ने रेपो रेट को 4% पर स्थिर रखा था, लेकिन 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40% बढ़ाकर 4.40% कर दिया। 22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50% इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40% से बढ़कर 4.90% हो गई। फिर अप्रैल में इसे 0.50% बढ़ाया गया, जिससे ये 5.40% पर पहुंच गई। सिर्वर्टर में ब्याज दरें 5.90% हो गई। फिर दिसंबर में 6.25% पर पहुंच गई।



इसके बाद फरवरी 2023 में ब्याज दरें 6.25% से बढ़ाकर 6.50% कर दी गई थीं।

ब्याज नहीं बढ़ावः आरबीआई इकोनॉमी की रिकवरी को बरकरार रखना चाहती है, इसलिए दरें नहीं बढ़ाई

आरबीआई ने 2022-23 में ब्याज के बढ़ावों में जारी रिकवरी को बरकरार रखने के लिये हमने पॉलिसी रेट में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन जरूरत पड़ने पर हम स्थिति के हिसाब से कदम उठाएंगे। तमाम ग्लोबल ट्रेनिंग के बीच भारत की इकोनॉमी मजबूत बनी हुई है। आरबीआई के बाले रेट को 4% से 5.40% को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40% बढ़ाकर 4.40% कर दिया। 22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50% इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40% से बढ़कर 4.90% हो गई। फिर अप्रैल में इसे 0.50% बढ़ाया गया, जिससे ये 5.40% पर पहुंच गई। सिर्वर्टर में ब्याज दरें 5.90% हो गई। फिर दिसंबर में 6.25% पर पहुंच गई।

जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी दूर दूर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में आरबीआई रेपो रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को आरबीआई से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है। और ग्राहकों को भी सस्ती रद पर लोन मिलता है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी समझकों दी थी। यह फैसला किसी निविदा के आधार पर नहीं किया गया था। कोंग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों में हो रही

था। यह एक बैंक ने आधार पर नहीं किया गया था। आरबीआई रेपो रेट के ऊपर बनी हुई थी। आरबीआई गवर्नर ने भारत के बैंकिंग और एनबीएफसी सेक्टर को बहुत मजबूत बताया। उन्होंने बहतर रवै फसल से ग्रामीण मांग में सुधार की उम्मीद भी जाता है। रुपए को लेकर आरबीआई गवर्नर ने कहा कि 2022 में रुपए की चाल काकों क्यावरिस्थित रही है और 2023 में रुपए की इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी हो रही है। उन्होंने कहा कि रुपए की स्थिरता और मजबूती की बनाए रखने पर आरबीआई का उम्मीद है। उन्होंने कहा कि रुपए की स्थिरता और मजबूती की बनाए रखने पर आरबीआई का उल्लंघन हो जाएगा। जिसे जलांह महीने में बढ़ाकर 1000 रुपए कर दिया गया। फिलहाल स्थिरता यह है कि अप्रैल 30 जून 2023 आधार से पैन कार्ड लिंक नहीं में रिटेल महंगाई घटकर 6.44% पर आ गई है। जनवरी 2023 में यह तीन महीनों के उच्च स्तर 6.52% और दिसंबर 2022 में 5.72% पर रही थी। तीन महीनों परहेले नवंबर 2022 में रिटेल महंगाई 5.88% थी। पिछले साल फरवरी 2022 में यह 6.07% रही थी।

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में बैंक एवं इकोनॉमिक पोर्ट अदाणी को दी गई थी तो डिमांड में कमी आई थी। ऐसे में आरबीआई ने

ब्याज दरों को कम करके इकोनॉमी में मनी फ्लो को बढ़ाया था। आरबीआई के इस फैसले के बाद सरकारी बैंकों और रियलटी शेयरों में तेजी देखने को मिला। पैसेनबी का चालीवारी के लिए यह बहुत रवै फैसला है। इस उदाहरण से समझते हैं। कोरोना काल में ब

